B.A. Part-II, Paper-IV
Lecture-32
Dr. Sunita Kumari, Assistant Professor
Marwari College Darbhanga.

TOPIC वैयक्तिक अध्ययन पद्धति की परिभाषा और विशेषताएं

Case study method का प्रयोग प्राचीन समय में इतिहासकार प्रसिद्ध ऐतिहासिक पुरुषों के जीवन एवं महत्वपूर्ण घटनाओं के उल्लेख हेतु करते थे। समाजशास्त्र में वैयक्तिक अध्ययन पद्धति का प्रयोग सर्वप्रथम हर्बर्ट स्पेन्सर ने किया था। किन्तु व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक रूप में इसका प्रयोग करने का श्रेय चार्ल्स लीप्ले को है। लीप्ले ने फ्रांस में परिवारों के आय-व्यय के बजट के अध्ययन के लिए इस विधि का सहारा लिया।

वैयक्तिक अध्ययन पद्धति में अध्ययन की जाने वाली इकाई के व्यक्तिगत जीवन से सम्बन्धित गहनतम एवं गुणात्मक जानकारी प्राप्त की जाती है।

Scanned by CamScanner

विभिन्न विद्वानों ने वैयक्तिक अध्ययन पद्धति को भिन्न ढंग से परिभाषित किया है —

बीसेन्ज और बीसेन्ज — " वैयक्तिक अध्ययन पद्धति गुणात्मक विश्लेषण का एक रूप है, जिसमें एक व्यक्ति, एक परिस्थिति या संस्था का सावधानीपूर्वक तथा पूर्ण विश्लेषण किया जाता है"

श्रीमती पी० वी० यंग के शब्दों में " वैयक्तिक अध्ययन पद्धति किसी एक सामाजिक इकाई चाहे वह एक व्यक्ति, एक परिवार, एक संस्था, एक सांस्कृतिक समूह अथवा सम्पूर्ण समुदाय क्यों न हो, के जीवन की खोज तथा विश्लेषण की पद्धति है।"

ओडम तथा जोचर — "वैयक्तिक अध्ययन एक प्रविधि है जिसके द्वारा प्रत्येक वैयक्तिक कारक चाहे वह संस्था हो अथवा एक व्यक्ति या समूह के जीवन की पूर्ण घटना हो, का विश्लेषण उस समूह की किसी भी अन्य इकाई के सन्दर्भ में किया जाता है।"

Scanned by CamScanner

उपर्युक्त परिभाषाओं से स्पष्ट है कि वैयक्तिक अध्ययन पद्धति के अन्तर्गत किसी एक सामाजिक इकाई से सम्बन्धित सभी पक्षों का व्यापक, सूक्ष्म तथा गहन अध्ययन किया जाता है। अध्ययन की जाने वाली यह सामाजिक इकाई कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था, समुदाय, जाति, राष्ट्र, सांस्कृतिक - क्षेत्र अथवा इतिहास का एक युग भी हो सकता है।

वैयक्तिक अध्ययन की विशेषताएँ

1. अध्ययन की एक विशिष्ट इकाई
2. गहन अध्ययन (Intensive study)
3. सम्पूर्ण अध्ययन (whole study)
4. गुणात्मक अध्ययन (Qualitative study)
5. आन्तरिक कारकों का अध्ययन Study of causal casual factors)
6. सम्पूर्ण पद्धतियों का प्रयोग (Use of all Methods)